स्वावलंबनी

[स्रोत: पी.आई.बी.](#)

चर्चा में क्यों?

कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) ने [नीति आयोग](#) के सहयोग से असम, मेघालय और मिज़ोरम में "**स्वावलंबनी**" **योजना** की शुरूआत की।

स्वावलंबनी क्या है?

- **परिचय:** स्वावलंबनी एक महिला उद्यमिता कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य **पूर्वोत्तर उच्च शिक्षा संस्थानों (HEIs)** में महिलाओं को उद्यमी मानसिकता, संसाधन और व्यावसायिक सफलता हेतु मार्गदर्शन प्रदान करके सशक्त बनाना है।
- **कार्यक्रम संरचना: MSDE ने भारतीय उद्यमिता संस्थान (IIE),** गुवाहाटी और नीति आयोग के सहयोग से **उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम (EAP), महिला उद्यमिता विकास कार्यक्रम (EDP), फैकल्टी विकास कार्यक्रम (FDP)** एवं वित्तपोषण सहित एक **चरण-वार उद्यमशीलता प्रक्रिया** की शुरूआत की।
- इसके तहत सफल उद्यमों को **मान्यता देना एवं पुरस्कृत** करना शामिल है जिससे अन्य को प्रेरणा मिले के साथ भारत में महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों को आगे बढ़ाने के लिये एक स्पष्ट ढाँचा स्थापित होगा।
- **अपेक्षित परिणाम: 10% EDP प्रशिक्षुओं** द्वारा सफल व्यवसाय प्रारंभ करने की उम्मीद है।
    - उच्च शिक्षा संस्थानों में उद्यमशीलता की संस्कृति को मज़बूत करना, महिलाओं के लिये व्यवसाय सृजन को एक व्यवहार्य कॅरियर मार्ग बनाना। भारत के आर्थिक परिवर्तन के प्रमुख चालक के रूप में महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों को बढ़ावा देना।

स्वावलंबनी राष्ट्रीय नीतियों के साथ किस प्रकार संरेखित है?

- **राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 : कौशल एकीकरण, उद्योग** सहयोग और उद्यमिता-संचालित शिक्षा को बढ़ावा देती है।
    - स्वावलंबनी महिला उद्यमियों के लिये **वित्तीय और परामर्श सहायता** सुनिश्चित करके इस पर काम करती है।
- **महिला उद्यमिता योजनाएँ:** स्वावलंबनी [स्टार्ट-अप इंडिया](#), [स्टैंड-अप इंडिया](#), [PM मुद्रा योजना](#) और [महिला उद्यमिता मंच](#) जैसी पहलों को मज़बूत करती है।
    - स्वावलंबनी [केंद्रीय बजट 2025](#) के अनुरूप है, जिसमें **10,000 करोड़ रुपए के स्टार्ट-अप फंड** की शुरुआत की गई है और **पहले पाँच वर्षों के लिये स्टार्ट-अप लाभांश पर 100% कर छूट** दी गई है, जिससे उभरते महिला-नेतृत्व वाले उद्यमों के लिये महत्त्वपूर्ण वित्तीय सहायता प्रदान की गई है।

भारत में महिला उद्यमिता परिदृश्य

- **भारत में कुल MSME:** 63 मिलियन से अधिक, [महिला स्वामित्व वाले MSME](#) 20% (12.39 मिलियन)।
- **रोजगार योगदान:** महिलाओं के नेतृत्व वाले MSME 22-27 मिलियन लोगों को रोज़गार प्रदान करते हैं।
- **महिला उद्यमिता में भारत का स्थान: महिला उद्यमिता पर मास्टरकार्ड सूचकांक (MIWE) 2021** में भारत वर्तमान में 65 देशों में से 57 वें स्थान पर है।
    - वैश्विक उद्यमिता एवं विकास संस्थान के अनुसार, **वैश्विक महिला उद्यमिता सूचकांक (FEI)** में भारत का स्थान **77 देशों में 70वाँ** है।
- **महिला-नेतृत्व वाले MSME में सर्वाधिक भागीदारी वाले शीर्ष राज्य: पश्चिम बंगाल** (23.42%), **तमिलनाडु** (10.37%), **तेलंगाना** (7.85%), **कर्नाटक** (7.56%), और **आंध्र प्रदेश** (6.76%)।

//

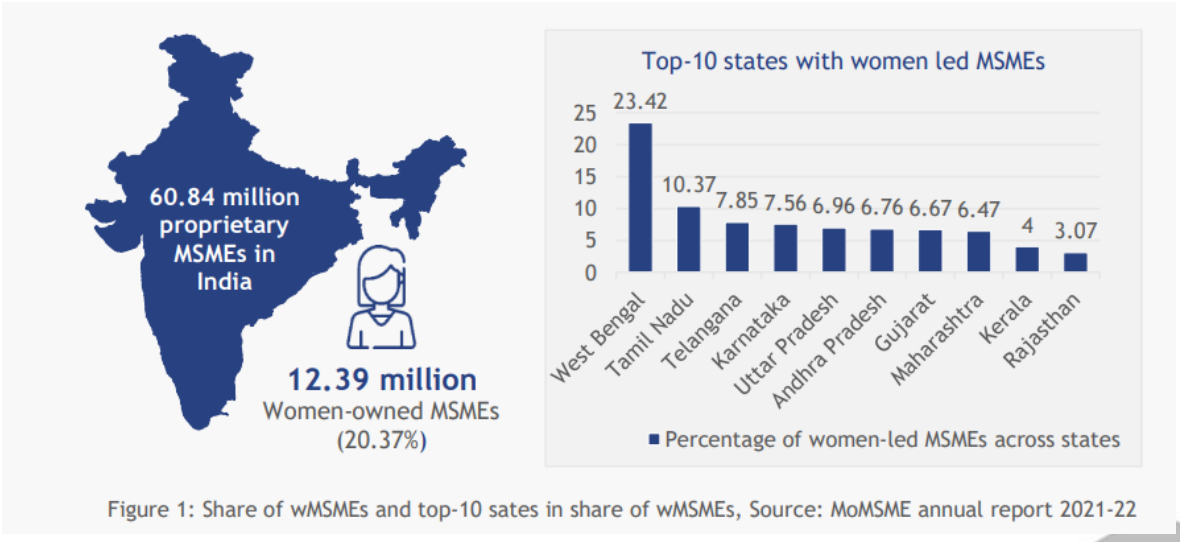

Figure 1: Share of wMSMEs and top-10 sates in share of wMSMEs, Source: MoMSME annual report 2021-22

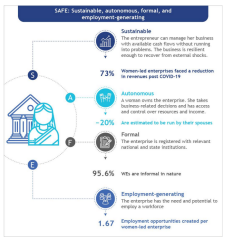

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. जोखिम पूंजी से क्या तात्पर्य है? (2014)

(a) उद्योगों को उपलब्ध कराई गई अल्पकालिक पूंजी
(b) नए उद्यमियों को उपलब्ध कराई गई दीर्घकालिक प्रारंभिक पूंजी
(c) उद्योग को हानि उठाते समय उपलब्ध कराई गई निधियाँ
(d) उद्योगों के प्रतिस्थापन और नवीकरण के लिये उपलब्ध कराई गई निधियाँ

उत्तर: (b)

प्रश्न. 'स्टैंड अप इंडिया स्कीम' के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं? (2016)

1. इसका प्रयोजन SC/ST एवं महिला उद्यमियों में उद्यमिता को प्रोत्साहित करना है।
2. यह SIDBI के माध्यम से पुनर्वित्त का प्रावधान करता है।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

प्रश्न. प्रधानमंत्री MUDRA योजना का लक्ष्य क्या है? (2016)

(a) लघु उद्यमियों को औपचारिक वित्तीय प्रणाली में लाना
(b) निर्धन कृषकों को विशेष फसलों की कृषि के लिये ऋण उपलब्ध कराना
(c) वृद्ध एवं निस्सहाय लोगों को पेंशन प्रदान करना
(d) कौशल विकास एवं रोज़गार सृजन में लगे स्वयंसेवी संगठनों का निधियन करना

उत्तर: (a)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/swavalambini